दैनिक जागरण · 12-06-2016 P-2

रिश्तों को दी जैविक खेती की संजीवनी

कुंदन तिवारी, नोएडा

विकास की दौड़। खुद को बहुत रिजर्व रखने की सोच। और दिनों दिन कमजोर होती रिश्तों की डोर। इन सबको जैविक खेती से संजीवनी दे रहे हैं एसएन द्विवेदी।

पेशे से उद्यमी व पर्यावरण व रिश्तों के प्रेमी एसएन द्विवेदी ने सेक्टर-135 के पीछे दो एकड़ जमीन सिर्फ जैविक खेती के लिए ले रखी है। यहां वह उच्च तकनीकी से जैविक खेती के जरिये फल-सब्जियां उगाकर रिश्तेदारों, कर्मचारियों व अन्य नजदीकी लोगों मुफ्त में बांट रहे हैं। इससे लोगों की सेहत तो बेहतर हो ही रही है साथ ही साथ समाज में रिश्तों की डोर को भी मजबूती मिल रही है। जैविक खेती की इस संजीवनी से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी जन जन तक पहुंचाया जा रहा है। द्विवेदी इस जैविक खेती की देखरेख के लिए अनोखे तरीकों को इस्तेमाल कर रखा है। उन्होंने पूरे दो एकड़ खेत की निगरानी के लिए सीसीटीवी को लगवा रखे हैं। जिसे मोबाइल, लैपटाप, कंप्यूटर के जरिए मॉनीटरिंग सिस्टम से भी जोड़ रखे हैं। जिससे कोई खेतों में जैविक प्रक्रिया को रसायन डालकर प्रभावित न कर सके। बाकी एक परिवार वहां बतौर माली देखरेख करता है।

कंपनी कर्मचारियों को मिल रहा मुफ्त दूध: द्विवेदी ने जैविक खेती के साथ स्थान पर दो गाय (धौर ब्रीड की) और एक नंदी पाल रखा है। गाय से मिलने वाला दूध करीब 25 लीटर प्रतिदिन आता है। इसे कर्मचारियों की चाय, काफी सहित अन्य चीजों के इस्तेमाल करवा रहे हैं। जिससे कर्मचारियों को भी शुद्ध दूध, दही मिल रहा है।

गोबर की खाद, गौ मूत्र और छाछ का स्प्रे: जैविक खेती में खाद के लिए गाय के गोबर का इस्तेमाल किया जा रहा है। सब्जियों में किसी भी प्रकार से कीड़े न लगें इसके लिए छाछ (मट्ठा) व गौ मूत्र का स्प्रे समय समय पर करवाया जाता है। इससे पूरी तरह से शुद्ध सब्जियों को पैदा करने में सहायता मिल रही हैं।

- सेक्टर-135 के पीछे दो एकड़ जमीन में करा रहे हैं जैविक सब्जी की खेती, लोगों को बांट रहे मुफ्त

हर माह के हिसाब से सब्जी की पैदावार

टमाटर, लौकी, बैंगन, टिंडा, भिन्डी, ग्वार, हल्दी, फूट, गाजर, मटर, खीरा, गोभी, लोभिया, तरबूज, करेला, फली, आलू, पत्ता गोभी, पालक, हरी गोभी, सेम, तरोई

उद्यमी एसएन द्विवेदी।

Rajshree
A.C.T.O.
Lib. N.@.12